यूपी में कारोबार व रोजगार का मुख्य केंद्र बनेगा लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस सेक्टर

अमर उजाला ब्यूरो

यूपी वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स समिट-2023, उद्योग संगठन सीआईआई और यूपीसीडा का संयुक्त सेमिनार

सीआईआई की ओर से बुधवार को यूपी वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स समिट-2023' में इस सेक्टर से जुड़ी तमाम बातों पर चर्चा की गई। - विज्ञप्ति

लखनऊ। वेयरहाउस व लॉजिस्टिक्स में रोजगार और नौकरियों के अपार अवसर हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू अकेले इसी सेक्टर के हैं। इसे देखते हुए एडवांस वेयरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम की मांग जबर्दस्त बढ़ गई है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और उप्र स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीसीडा) की ओर से आयोजित 'यूपी वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स समिट-2023' में इस सेक्टर से जुड़ी तमाम बातों पर चर्चा की गई।

सत्र में यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के अंतर्गत प्रदेश में वेयरहाउस एवं लॉजिस्टिक सेक्टर को कुल एमओयू के 10 फीसदी के बराबर निवेश प्रस्ताव मिले हैं। ये रकम करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये की है। कहा कि एक्सप्रेस-वे के आसपास के क्षेत्र को वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जायेगा। गौतमबुद्धनगर के दादरी में 800 एकड़ का मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब बनाया गया है।

सीआईआई यूपी के अध्यक्ष और गोल्डी मसाले के निदेशक आकाश गोयनका ने कहा कि ई-कॉमर्स व व्यापार प्रौद्योगिकी में विकास व मेक इन इंडिया के फलस्वरूप वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक को विशेष महत्व मिला है। वस्तुओं एवं सेवाओं की सीमापार आवाजाही कई गुना बढ़ गई है। जिसके कारण एडवांस वेयरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम उद्योग जगत के लिए समय की मांग बन गया है। सीआईआई की उपाध्यक्ष और पीटीसी इंडस्ट्रीज की निदेशक स्मिता अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की वेयरहाउसिंग नीति यूपी की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अदाणी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विक्रम जयसिंघानी ने बताया कि उनकी कंपनी पूरे देश में छह करोड़ वर्गफिट वेयरहाउसिंग सुविधा तैयार कर रही है। जिसमें एक बड़ा हिस्सा यूपी में होगा।